



Seat No. _____

HT-1901030201020301

B. A. (Sem. II) (CBCS) (W.E.F. 2019)

Examination

May - 2023

Hindi : Paper-3

आधुनिक हिन्दी काव्य : नहुष
(Elective-1) (New Course)

Time : 2:30 Hours / Total Marks : 70

- सूचना :** (1) सूचनानुसार सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(2) सभी प्रश्नों के अंक दाहिनी ओर निर्दिष्ट हैं।

- | | | |
|---|---|----|
| 1 | ‘नहुष’ खण्डकाव्य की कथावस्तु सविस्तार लिखिए। | 14 |
| | अथवा | |
| 1 | राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्तजी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए। | 14 |
| 2 | ‘नहुष’ खण्डकाव्य के नायक नहुष का चरित्र-चित्रण कीजिए। | 14 |
| | अथवा | |
| 2 | अनुभूति पक्ष एवं अभिव्यक्ति पक्ष की दृष्टि से ‘नहुष’ खण्डकाव्य का मूल्यांकन कीजिए। | 14 |
| 3 | खण्डकाव्य के लक्षणों के आधार पर ‘नहुष’ काव्य का मूल्यांकन कीजिए। | 14 |
| | अथवा | |
| 3 | ‘नहुष’ खण्डकाव्य की नायिका के रूप में शची का चरित्र-चित्रण कीजिए। | 14 |
| 4 | ‘नहुष’ खण्डकाव्य की कथा का मूल स्रोत बतलाते हुए कवि द्वारा की गई नवीन उद्भावनाओं की चर्चा कीजिए। | 14 |
| | अथवा | |
| 4 | ‘नहुष’ खण्डकाव्य के नारी पात्रों का परिचय देते हुए उर्वशी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। | 14 |
| 5 | किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : | 14 |
| | (1) ‘नहुष’ खण्डकाव्य में चित्रित राष्ट्रीय भावना। | |
| | (2) ‘नहुष’ खण्डकाव्य का उद्देश्य। | |
| | (3) ‘नहुष’ खण्डकाव्य के शीर्षक की सार्थकता। | |
| | (4) ‘नहुष’ खण्डकाव्य के नारद जी। | |

HT-1901030201020301]

[3130/85-58]